गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 255
दि. 16.01.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम मोदी ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन का उद्घाटन किया

भारत ने विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बना लिया है: प्रधानमंत्री

भारत ने दिखाया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थायित्व, गति और व्यापकता प्रदान करती हैं: प्रधानमंत्री

भारत में लोकतंत्र का अर्थ है अंतिम व्यक्ति तक सेवाएं पहुंचाना: प्रधानमंत्री

हमारा लोकतंत्र एक विशाल वृक्ष की तरह है जिसकी जड़ें गहरी हैं; हमारे यहां वाद-विवाद, संवाद और सामूहिक निर्णय लेने की लंबी परंपरा है: प्रधानमंत्री

भारत हर वैश्विक मंच पर विकासशील देशों के मुद्दों को मजबूती से उठा रहा है; जी20 की अध्यक्षता के दौरान भी, भारत ने वैश्विक एजेंडा के केंद्र में विकासशील देशों की प्राथमिकताओं को रखा: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली स्थित संसद भवन परिसर में संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रमंडल देशों के लोकसभा अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (सीएसपीओसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर श्री मोदी ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका अद्वितीय होती है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष को बोलने का अधिक अवसर नहीं मिलता, लेकिन उनकी जिम्मेदारी दूसरों की बात सुनने और यह सुनिश्चित करने में निहित है कि सभी को अपनी बात कहने का मौका मिले।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि धैर्य अध्यक्षों का सबसे आम गुण है, जो शोर मचाने वाले और अति उत्साही सांसदों को भी मुस्कुराते हुए संभाल लेते हैं।

इस विशेष अवसर पर अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए श्री मोदी ने उनकी उपस्थिति पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आप जिस स्थान पर बैठे हैं, वह भारत की लोकतांत्रिक यात्रा में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने याद दिलाया कि औपनिवेशिक शासन के अंतिम वर्षों में, जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित थी, संविधान सभा ने इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान का मसौदा तैयार किया था। प्रधानमंत्री ने उल्लेख किया कि स्वतंत्रता के बाद 75 वर्षों तक, यह भवन भारत की संसद के रूप में कार्य करता रहा, जहां राष्ट्र के भविष्य को आकार देने वाले कई महत्वपूर्ण निर्णय और चर्चाएं हुईं। श्री मोदी ने बताया कि देश ने अब इस ऐतिहासिक स्थल को संविधान सदन नाम देकर लोकतंत्र को समर्पित कर दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में देश ने अपने संविधान के कार्यान्वयन के 75 वर्ष पूरे किए हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संविधान सदन में सभी विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति भारत के लोकतंत्र के लिए एक अत्यंत विशेष क्षण है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्रमंडल देशों के अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों का यह सम्मेलन चौथी बार भारत में आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन के मुख्य विषय 'संसदीय लोकतंत्र का प्रभावी क्रियान्वयन' पर प्रकाश डाला। श्री मोदी ने याद दिलाया कि जब भारत को आजादी मिली थी, तब यह आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता वाले देश में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी विविधता को अपने लोकतंत्र की ताकत बना लिया है। उन्होंने आगे कहा कि एक और बड़ी चिंता यह थी कि यदि किसी तरह भारत में लोकतंत्र कायम भी रह जाए, तो विकास संभव नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा, "भारत ने यह सिद्ध कर दिया है कि लोकतांत्रिक संस्थाएं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं लोकतंत्र को स्थायित्व, गति और व्यापकता प्रदान करती हैं।" उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है, भारत में यूपीआई के माध्यम से विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल भुगतान प्रणाली है, भारत सबसे बड़ा वैक्सीन उत्पादक, दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक, तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप परितंत्र, तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार, चौथा सबसे बड़ा रेलवे नेटवर्क, तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो रेल नेटवर्क, सबसे बड़ा दूध उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश है।

श्री मोदी ने जोर देते हुए कहा, 'भारत में लोकतंत्र का अर्थ है अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना।' उन्होंने आगे कहा कि भारत जन कल्याण की भावना से काम करता है और यह सुनिश्चित करता है कि लाभ बिना किसी भेदभाव के हर व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने बताया कि इसी कल्याणकारी भावना के कारण हाल के वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में लोकतंत्र सफल रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में लोकतंत्र इसलिए सफल है क्योंकि यहां जनता सर्वोपरि है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि भारत में जनता की आकांक्षाओं और सपनों को प्राथमिकता दी गई है, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि उनके रास्ते में कोई बाधा न आए, प्रक्रियाओं से लेकर प्रौद्योगिकी तक हर चीज का लोकतंत्रीकरण किया गया है। उन्होंने कहा कि यह लोकतांत्रिक भावना भारत की रगों और मन में बसी है। श्री मोदी ने कोविड-19 महामारी का उदाहरण दिया, जब पूरी दुनिया इस महामारी से जूझ रही थी। उन्होंने कहा कि देश के भीतर चुनौतियों के बावजूद, भारत ने 150 से अधिक देशों को दवाएं और टीके उपलब्ध कराए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जनता के हितों, कल्याण और खुशहाली के लिए काम करना भारत का मूलमंत्र है, और इस मूलमंत्र को भारत के लोकतंत्र ने पोषित किया है।

गोपालक सरकार की योजनाओं को गंभीरता से समझें: सीएम योगी

वैज्ञानिकों ने गौशाला स्वावलंबन अभियान की रिपोर्ट भेंट की

(जीएनएस)।

लखनऊ। सीएम योगी से गत बुधवार को चेन्नई से प्रकाशित एनिमल वेलफेयर साइंस की पत्रिका पशु मित्र के प्रधान संपादक और भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के पूर्व वैज्ञानिक/सहायक सचिव/चीफ एडिटर डा. आरबी चौधरी ने भेंट की। भारत सरकार के जीव जंतु कल्याण प्रतिनिधि एवं पशु मित्र के वैज्ञानिक एवं तकनीकी समाचार संपादक डॉ. अमरनाथ जायसवाल भी उपस्थित थे।

इस दौरान पत्रिका टीम के वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों की ओर से प्रदेश में संचालित स्वावलंबी गौशाला अभियान पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि प्रदेश की गौशालाओं में लावारिस गोवंश की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने के लिए गोबर और गोमूत्र का वैज्ञानिक विधि से उपयोग कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने इस पहल की गंभीरता को समझते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज और गोवंश के लिए अत्यंत जरूरी हैं और इन्हें निरंतर करते रहना चाहिए।

बताया कि वर्तमान में पीलीभीत जनपद में इसकी शुरूआत कर दी गई है, जहां जल्द ही गोबर और गोमूत्र से लिक्विड बायो-फर्टिलाइजर तैयार किया जाएगा। तकरीबन 20 लाख की लागत से तैयार इकाई में यह तकनीक गौशाला को प्रतिमाह कम से कम एक लाख रुपये की आमदनी कराने में सक्षम है। सीएम ने अंततः यह भी कहा कि गोपालक सरकार की योजनाओं को गंभीरता से समझे और अपनायें।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 का दौरा किया

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने 15 जनवरी, 2026 को दिल्ली कैंट में राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर (आर डीसी) का दौरा किया।

कैडेटों के अनुशासन और प्रस्तुति से प्रभावित होकर उन्होंने उनके आचरण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी समन्वित परेड, बैंड प्रदर्शन और सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्र की धड़कन को दर्शाती हैं।

मुख्यमंत्री ने साहसी और जिम्मेदार युवाओं के निर्माण के साथ-साथ उनमें राष्ट्रवाद, एकता और संवैधानिक प्रतिबद्धता के आजीवन मूल्यों को विकसित करने में एनसीसी द्वारा निभाई गई भूमिका की प्रशंसा की।

भारत मौसम विज्ञान विभाग 2026 में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे में 50-50 एडब्ल्यूएस स्थापित करेगा

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्वचालित मौसम स्टेशनों के विस्तार की घोषणा की; भारत मौसम विज्ञान विभाग ने तकनीक, सटीकता और सुदृढ़ता पर फोकस के साथ अपना 151वां स्थापना दिवस मनाया

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा और शहरी नियोजन के लिए डेटा-आधारित शहर-विशिष्ट मौसम पूर्वानुमान को प्राथमिकता दे रही है

पूर्वानुमान की सटीकता में 40-50 प्रतिशत से अधिक सुधार हुआ है; चक्रवात संबंधी पूर्वानुमान में बड़ी सफलता मिली है: डॉ. जितेंद्र सिंह

सरकार भारत मौसम विज्ञान विभाग की पहुंच बढ़ाने के लिए "उत्कृष्टता केंद्र" और नए क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र स्थापित करेगी

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष विभाग राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज भारत के शहरी मौसम अवलोकन संबंधी बुनियादी ढांचे के विस्तार की घोषणा की, जिसके तहत चार प्रमुख महानगरों में 200 स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित किए जाएंगे।

वरिष्ठ अधिकारियों, मौसम विज्ञान विशेषज्ञों और हितधारकों को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 2026 के दौरान दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और पुणे में 50-50 स्वचालित मौसम स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। यह विशेष रूप से घनी आबादी वाले शहरी इलाकों में हाइपर-लोकल, रियल-टाइम मौसम पूर्वानुमान और आपदा की तैयारियों को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि स्वचालित मौसम स्टेशनों का एक सघन नेटवर्क विस्तृत और हाई-रिजॉल्यूशन वाला स्थानिक डेटा प्रदान करेगा, जिससे अचानक भारी बारिश, आंधी-तूफान, बहुत ज्यादा गर्मी और दबाव में तेजी से होने वाले बदलावों का अधिक सटीक अनुमान लगाया जा सकेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के डेटा-आधारित पूर्वानुमान न केवल आपदा जोखिम को कम करने के लिए, बल्कि कृषि, विमानन, शहरी नियोजन और सार्वजनिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुविचारित निर्णय लेने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

यह घोषणा भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के 151वें स्थापना दिवस समारोह के दौरान की गई, जो संगठन की राष्ट्र के प्रति डेढ़ सदी से ज्यादा की समर्पित सेवा को दिखाता है। इस अवसर के महत्व पर मंत्री महोदय ने याद दिलाया कि पिछले साल इसी तारीख को, आईएमडी ने भारत मंडपम में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में अपनी 150वीं वर्षगांठ मनाई थी। उन्होंने कहा कि उस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए प्रोत्साहन और सराहना ने संगठन के लिए मनोबल बढ़ाने वाला काम किया, जिससे आईएमडी के काम की ऊर्जा और गति दोगुनी हो गई, जो पिछले एक साल में शुरू की गई विभिन्न नई पहलों और तकनीकी प्रगति में दिखाई देता है।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आईएमडी का सफर भारत के ऐतिहासिक और प्रशासनिक विकास के साथ विशिष्ट रूप से जुड़ा हुआ है, जो आजादी से पहले के समय से लेकर आधुनिक समय तक फैला हुआ है। पूर्वोत्तर में अपनी शुरूआत से लेकर कोलकाता, फिर शिमला, पुणे और आखिर में नई दिल्ली तक, इस संगठन ने आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक क्षमताओं को अपनाते हुए देश की बदलती जरूरतों के अनुरूप खुद को तैयार किया है।

भारत की मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं में आए बदलावों के बारे में बताते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि पूर्वानुमान की सटीकता में पिछले दशकों की तुलना में 40 से 50 प्रतिशत से अधिक सुधार हुआ है। चक्रवात संबंधी पूर्वानुमान की सटीकता में लगभग 35 से 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि मासिक और मौसमी पूर्वानुमानों में त्रुटियां लगभग 7.5 प्रतिशत से घटकर लगभग 2.5 प्रतिशत रह गई हैं। उन्होंने इन सुधारों का श्रेय पिछले दशक में निरंतर निवेश, तकनीकी स्वतंत्रता और संस्थागत समर्थन को दिया।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा मिशन मौसम की शुरूआत सरकार की उन्नत मौसम विज्ञान और जलवायु सेवाओं के प्रति उद्देश्य और प्राथमिकता की स्पष्ट घोषणा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ऐसे बड़े राष्ट्रीय मंचों से ऐसी पहलों की बात करते हैं, तो यह वैज्ञानिक क्षमता निर्माण और जन कल्याण के प्रति सरकार की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के बारे में एक मजबूत संकेत देता है।

संसदों के लिए जवाबदेह एआई विकसित करने में मानवों का संस्थागत ज्ञान का केंद्रीय महत्व है: राज्यसभा उपसभापति श्री हरिवंश

संसदों के लिए जवाबदेह एआई विकसित करने में मानवों का संस्थागत ज्ञान का केंद्रीय महत्व है: राज्यसभा उपसभापति श्री हरिवंश

श्री हरिवंश ने कहा, संयम के बिना नवाचार जोखिम भरा होता है जबकि नवाचार के बिना संयम से ठहराव हो सकता है

उपसभापति ने कहा कि संसद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सच्चाई में आधारित होनी चाहिए, नैतिकता से पूर्ण होनी चाहिए, मानव निर्णय द्वारा मार्गदर्शित होनी चाहिए, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जवाबदेह होनी चाहिए

(जीएनएस)।

राज्य सभा के उपसभापति श्री हरिवंश ने संसदीय व्यवस्थाओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग को आकार देने में इंसानों की संस्थागत ज्ञान के महत्व पर प्रकाश डाला। श्री हरिवंश ने बल देकर कहा कि अगर एआई को संसदों में लाना है, तो इसे उत्तरदायी, संदर्भपूर्ण एवं विश्वसनीय होना चाहिए। उन्होंने ये टिप्पणियां नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में संसद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपनाने पर आयोजित एक कार्यशाला में की। अपने संबोधन में उन्होंने भारतीय संसद के कुशल कामकाज के लिए विकसित की जा रही विभिन्न डिजिटल एवं एआई उपकरणों की सूची भी प्रस्तुत की।

उपसभापति ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के लिए हाइब्रिड दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए कहा, 'जब कोई व्यक्ति किसी नए संगठन में जाता है तो वह अपने साथ दो आवश्यक गुण लेकर जाता है जिसमें पहला कौशल और दूसरा ज्ञान है। कौशल अर्जित किया जा सकता है, स्थानांतरित किए जा सकता है या आउटसोर्स किया जा सकता है लेकिन ज्ञान प्रासंगिक होता है और संस्था में गहराई से समाहित होता है। संसदीय ज्ञान अद्वितीय होता है क्योंकि यह दशकों से चचाओं, निर्णयों, परंपराओं एवं संवैधानिक प्रथाओं से निर्मित होता है। यही सिद्धांत कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर भी समान रूप से लागू होता है।' उन्होंने आगे कहा कि संसदों के लिए जवाबदेह एआई विकसित करने में मनुष्यों का संस्थागत ज्ञान का केंद्रीय महत्व है।

उन्होंने आगे कहा, 'मानवीय निगरानी एवं मध्यवर्तन की क्षमता व्यवस्था का अभिन्न अंग होना चाहिए। बिना संयम के नवाचार जोखिम भरा होता है जबकि नवाचार के बिना संयम से ठहराव हो सकता है।' उन्होंने कहा कि इसलिए संसद को इन दोनों के बीच सावधानीपूर्वक एवं सोच-समझकर संतुलन स्थापित करना चाहिए।

संसद में पहले से चल रहे एआई के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से जानकारी प्रदान करते हुए, श्री हरिवंश ने व्यावसायिक दस्तावेजों के अनुवाद, संसदीय चचाओं का विश्लेषण एवं 22 भाषाओं में प्रश्नों को तैयार करने के लिए मॉडलों के उपयोग का उल्लेख किया।

उन्होंने कहा, "हमने लगभग 48,000 शब्दों वाली एक संसदीय भाषा शब्दकोश विकसित की है जिसे विशेष रूप से संसदीय उपयोग के लिए डिजाइन किए गए एक कस्टम एआई मॉडल में एकीकृत किया गया है। इस कारण आंतरिक उपयोगकताओं में इसकी स्वीकार्यता बहुत बढ़ी है और इसकी सटीकता में सुधार हुआ है। मानव अनुवादक अभी भी पूर्ण नियंत्रण में हैं जबकि एआई एक सहायक उपकरण के रूप में कार्य करता है।" हालांकि, उन्होंने कहा कि विधायी संदर्भ में "संसद में कृत्रिम बुद्धिमत्ता सत्य पर आधारित होनी चाहिए, नैतिकता से पूर्ण होनी चाहिए, मानवीय निर्णय द्वारा निर्देशित होनी चाहिए एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जवाबदेह होनी चाहिए।"

अपने भाषण को समाप्त करते हुए उन्होंने राष्ट्रमंडल देशों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अनुप्रयोग में ज्यादा संसदीय सहयोग का आ'ान किया।

भारत द्वारा चौथी बार दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी की जा रही है, इससे पहले भारत में यह सम्मेलन 1971, 1986 और 2010 में आयोजित हुआ था।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में मकरसंक्रांति पर्व के उत्सव में सहभागी हुए

मुख्यमंत्री ने वाडीगाम के निवासियों के साथ पतंग उड़ाकर उत्तरायण पर्व का हर्षोल्लासपूर्वक उत्सव मनाया

गांधीनगर, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को अहमदाबाद के ऐतिहासिक दरियापुर क्षेत्र के वाडीगाम में स्थानीय निवासियों के साथ मकरसंक्रांति पर्व का उत्सव मनाया।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राज्य के सभी नागरिकों को मकरसंक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की।

जिस प्रकार पतंग आकाश की ऊंचाइयों को छूती है, उसी प्रकार गुजरात विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे; इस भावना के साथ मुख्यमंत्री ने वाडीगाम की मूळजी पारेख की पोल में पतंग उड़ाकर पर्व का आनंद लिया। मुख्यमंत्री को अपने बीच देखकर स्थानीय लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री का पोल के निवासियों ने अपने-अपने छतों से हर्षनाद और अभिवादन के साथ भावपूर्वक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अभिवादन स्वीकार कर सभी का उत्साह बढ़ाया।

इस उत्सव में मुख्यमंत्री के साथ अहमदाबाद के सांसद श्री दिनेशभाई मकवाणा, दरियापुर के विधायक श्री कौशिकभाई जैन, स्थानीय काउंसलर तथा राजनीतिक अग्रणी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के साथ पतंगबाजी का आनंद लेने का अवसर मिलने से उपस्थित लोगों और पतंग प्रेमियों के लिए मकरसंक्रांति का यह उत्सव यादगार बन गया

सामरिक व्यापार नियंत्रण 2026 पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने विदेश मंत्रालय (एमईए), फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गनाइजेशन्स (एफआईईओ) और अन्य सरकारी साझेदारों और उद्योग जगत के हितधारकों के सहयोग से आज नई दिल्ली में सामरिक व्यापार नियंत्रण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (एनसीएसटीसी) 2026 का आयोजन किया।

सम्मेलन भारत के सामरिक व्यापार नियंत्रण (एसटीसी) ढांचे पर चर्चा का मंच बना, जिसमें एससीओएमईटी फ्रेमवर्क के अंतर्गत विनियमित दोहरे इस्तेमाल और संवेदनशील वस्तुओं, प्रौद्योगिकियों, सॉफ्टवेयर, सामग्री और उपकरणों के निर्यात को नियंत्रित करने वाली नीतियां और प्रक्रियाएं शामिल हैं।

सम्पादकीय

ईशनिदा के आरोप एक खतरनाक सामाजिक हथियार बन गए

जब आस्था को हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता है, बांग्लादेश की दुखद घटना एक चेतावनी है। अगर ईंशनिदा के आरोपों का इस्तेमाल हथियार के तौर पर होता रहा तो और भी बेगुनाह जानें जाएंगी और इस्लाम को दया के बजाय गुस्से का धर्म बताकर गलत तरीके से पेश किया जाएगा। बांग्लादेश में हाल ही में ईंशनिदा के आरोप में एक हिदू वर्वर की लिचिग से न सिर्फ़ एक इंसान की जान गई है; बल्कि यह पूरे समाज के लिए नैतिक मूल्यों का नुकसान है। इस्लाम का अपमान करने के एक बिना वेरिफिकेशन वाले आरोप के बाद हुई इस घटना ने एक बार फिर भारतीय पड़ोस को एक मुश्किल सच का सामना करने पर मजबूर कर दिया है; ईंशनिदा के आरोपों का गलत इस्तेमाल हिसा को सही ठहराने, न्याय को नज़रअंदाज़ करने और कमज़ोर लोगों को चुप कराने के लिए तेज़ी से किया जा रहा है। हालांकि ऐसे काम अक्सर धर्म के नाम पर किए जाते हैं, लेकिन वे खुद इस्लाम के बिल्वुल उलट हैं। पूरे दक्षिण एशिया में, खासकर बांग्लादेश और पाकिस्तान में, ईंशनिदा के आरोप एक खतरनाक सामाजिक हथियार बन गए हैं। अफवाहें तेज़ी से पैलती हैं, भावनाएं भड़कती हैं, और भीड़ जज, जूरी और जल्लाद की भूमिका निभा लेती है। परिवार वुछ ही घंटों में खत्म हो जाते हैं, अक्सर किसी अधिकारी के तथ्यों को वेरिफाई करने या सुरक्षा देने से पहले ही। माइनॉरिटीज़, अलग राय रखने वालों या सामाजिक रूप से कमज़ोर लोगों के लिए, सिर्फ़ आरोप ही मौत की सज़ा बन जाता है। हर ईंशनिदा के आरोप के पीछे एक डरा हुआ इंसान होता है, जिसके माता-पिता, बच्चे, साथ काम करने वाले और सपने होते हैं। बांग्लादेश के हालिया मामले में, आरोपी को बचाव, जांच या ज़िदगी की इज्ज़त भी नहीं दी गई। उसकी हत्या हमददा में गहरी कमी दिखाती है, जहाँ गुस्से ने दया की जगह ले ली है और शक ने इंसाफ की जगह ले ली है। यह पैटर्न नया नहीं है। पाकिस्तान में, भीड़ ने दर्जनों लोगों को मार डाला है, जबकि बाद में कोर्ट को ईंशनिदा का कोई सबूत नहीं मिला। भारत में, जबकि कानूनी सुरक्षा उपाय ज़्यादा मज़बूत हैं, फिर भी लेखकों, कलाकारों और माइनॉरिटीज़ को डराने के लिए धरमिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोपों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। आम बात डर है, डर जो गलत जानकारी और नैतिक डर से और बढ़ जाता है। फिर भी सबसे परेशान करने वाली बात यह दावा है कि ऐसी हिसा धरमिक रूप से सही है। इस बात की गंभीर जांच की ज़रूरत है। आम धारणा के उलट, वुरान ईंशनिदा के लिए कोई दुनियावी सज़ा नहीं बताता है। सदियों से कई जाने-माने विद्वानों ने इस बात पर ज़ोर दिया है। वुरान मानता है कि मानने वालों को बेइज्ज़ती और मज़ाक का सामना करना पड़ेगाः तुम्हें ज़रूर उन लोगों से बहुत बुरा-भला सुनने को मिलेगा जिन्हें तुमसे पहले किताब दी गई थी और उन लोगों से भी जो बहुत भगवान को मानते हैं। लेकिन अगर तुम सब्र रखते हो और भगवान का ध्यान रखते हो, तो यह सच में बहुत बड़े पक्के इरादे की बात है (वुरान 3:186)। एक और आयत मुसलमानों को अलग रहने की हिदायत देती है, न कि हिसक तरीके से बदला लेने कीः जब तुम सुनो कि भगवान की आयतों को नकारा जा रहा है और उनका मज़ाक उड़ाया जा रहा है, तो उनके साथ मत बैठो जब तक कि वे बात न बदल दें (वुरान 4:140)। खास बात यह है कि बेइज्ज़ती या मज़ाक से जुड़ी वुरान की किसी भी आयत में निगरानी रखने वाले को सज़ा देने का हुक्म नहीं है, लिचिग की तो बात ही छोड़ दो। पैगंबर मुहम्मद की ज़िदगी मुसलमानों के लिए सबसे भरोसेमंद गाइड है। पुराने इतिहासकारों ने ऐसे कई उदाहरण लिखे हैं जहाँ पैगंबर की पर्सनली बेइज्ज़ती की गई, उनका मज़ाक उड़ाया गया और उन्हें बेइज्जत किया गया। ताइफ में, उन्हें तब तक पत्थर मारे गए जब तक उनका खून नहीं बहने लगा। जब उन्हें भगवान से बदला लेने का ऑप्शन दिया गया, तो उन्होंने मना कर दिया।

'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद में 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन किया

संस्कृत में रचित आदि शंकराचार्य जी का ज्ञान-सागर आज सभी गुजराती युवाओं को गुजराती भाषा में उपलब्ध हो रहा है

सस्तु साहित्य के माध्यम से स्वामी अखंडानंद जी ने उत्कृष्ट साहित्य को सामान्य जन तक कम मूल्य में पहुँचाया

गुजरात के सामूहिक चरित्र निर्माण में अखंडानंद जी और उनके द्वारा स्थापित सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट का बहुत बड़ा योगदान रहा है

आदि शंकराचार्य जी का उपनिषदों का भाष्य सरल, सटीक और सत्य के सबसे निकट हैं

आदि शंकराचार्य जी के लिखे स्तोत्रों में उस समय के सभी प्रश्नों और सनातन धर्म के लिए निर्मित हुई आशंकाओं का तर्कबद्ध निराकरण मिलेगा

आदि शंकराचार्य जी ने कई बार देश की पदयात्राएँ, वे एक पैदल चलते विश्वविद्यालय की भूमिका निभाते थे

आदि शंकराचार्य जी ने चार मठों की स्थापना और मठों में वेदों, उपनिषदों का विभाजन कर उनके संरक्षण, संवर्धन को स्थायी बनाया

जितना ज्ञान इस सृष्टि पर उपलब्ध है, उसमें 'शिवोऽहम्' से बढ़कर कुछ नहीं

कठिन से कठिन परिस्थितियों में सनातन धर्म कालबाह्य न हो, इसके लिए आदि शंकराचार्य जी ने अखाड़ों की स्थापना की और सनातन संस्कृति के लिए संगठन का निर्माण किया

भक्ति, कर्म और ज्ञान, तीनों मार्गों से मोक्ष संभव है, यह समन्वित विचार आदि शंकराचार्य जी की महान देन

आदि शंकराचार्य जी ने शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित कर संवाद से समाधान और Culture of Debating की नींव रखी

आदि शंकराचार्य जी ने प्रकृति की पूजा से लेकर सनातन के मूल तत्व को पहचानने का रास्ता आम लोगों के लिए प्रशस्त किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज अहमदाबाद, गुजरात में 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' द्वारा गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली का विमोचन किया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आदिशंकर रचित ज्ञानसागर का गुजराती भाषा में उपलब्ध होना गुजरात के पाठकों के लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि गुजराती भाषा में प्रकाशित आदि शंकराचार्य की ग्रंथावली गुजरात के युवाओं के लिए एक बहुत बड़ा खजाना है। श्री शाह ने कहा कि संस्कृत में रचित आदि शंकराचार्य का यह ज्ञानसागर आज गुजराती युवाओं को उपलब्ध कराया गया है, और आने वाले वर्षों में जब अच्छे साहित्य की चर्चा होगी, तब निश्चित तौर पर 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' का यह प्रयास उसमें शामिल होगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि स्वामी अखंडानंद जी का जीवन ही ऐसा था कि लोगों ने उस महान व्यक्ति के नाम में 'भिक्षु' जोड़ दिया। भिक्षु अखंडानंद ने आयुर्वेद, सनातन धर्म और समाज में उच्च विचारों को प्रस्तुत करने वाले साहित्य के लिए अपना जीवन दिया। स्वामी अखंडानंद जी ने अपने जीवनकाल में यह परिकल्पना की थी कि गुजरात के युवाओं को उत्कृष्ट साहित्य रचनाएँ बहुत ही किफायती दामों में उपलब्ध हो। उन्होंने एक बड़ी संस्था स्थापित की और अपने जीवनकाल में अनेकानेक ग्रंथों को प्रकाशित किया, जिनमें श्रीमद्भगवद्गीता, महाभारत, रामायण, योग वशिष्ठ, स्वामी रामतीर्थ के उपदेश, रामकथामृत और नीति विषयक ग्रंथ शामिल हैं।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि 'सस्तु साहित्य मुद्रणालय ट्रस्ट' ने कौटिल्य के अर्थशास्त्र सहित अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों को गुजराती भाषा में उपलब्ध कराया है। गुजरात के सामूहिक चरित्र निर्माण में स्वामी अखंडानंद का बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने कई साहित्यिक सामग्रियों को एकत्रित करके बहुत सरल तरीके से युवाओं तक पहुँचाने का काम किया। स्वामी अखंडानंद जी ने अनेक ऋषि-मुनियों के कथनों के माध्यम से सनातन धर्म के सार को गुजराती में प्रस्तुत करने का काम किया। साथ ही व्यक्ति के अस्तित्व को जागृत करने के लिए स्वामी अखंडानंद ने कई बोधकथाएँ भी गुजराती युवाओं को उपलब्ध कराई।

श्री अमित शाह ने कहा कि लोग इंटरनेट आने के बाद सोचते थे कि शायद अब कोई पुस्तकें पढ़ेगा ही

नहीं, परंतु इन 24 पुस्तकों के प्रकाशन ने इस भरोसे को मजबूत कर दिया है कि नई पीढ़ी भी पढ़ती है। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी का यह ज्ञानसागर आज से हमारे गुजराती युवाओं के लिए उपलब्ध है और इसका उनके जीवन एवं कार्यों पर निश्चित रूप से गहरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने ऐसी परंपरा स्थापित की जिससे युगों-युगों तक सनातन की सेवा की जाती रहे। श्री शाह ने कहा कि ज्ञान का कभी अंत नहीं होता, ज्ञान हमेशा आगे बढ़ता रहता है। उन्होंने कहा कि इस सृष्टि पर अब तक जितना ज्ञान उपलब्ध है, उसमें 'शिवोऽहम्' से बढ़कर कुछ नहीं है। इतनी सरल, सटीक और सत्य के निकट उपनिषदों की व्याख्या और कोई नहीं दे सकता, यह कार्य केवल आदि शंकराचार्य ही कर सकते थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि ढेर सारी कुरीतियाँ आने के कारण सनातन धर्म को लेकर कई आशंकाएँ उत्पन्न हो गई थीं। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी के ग्रंथों को क्रमबद्ध रूप से पढ़ने पर पता चलता है कि उन्होंने अपने जीवनकाल में ही सारी आशंकाओं का निराकरण कर दिया और सभी किंतु-परंतु के तर्कबद्ध उत्तर उपलब्ध कराए।

गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने युवाओं से आग्रह किया कि गुजराती अनुवाद और भावानुवाद उपलब्ध होने से अब वे आदि शंकराचार्य जी द्वारा रचित ग्रंथ ह्यविवेकचूड़ामणिह्ल एक बार अवश्य पढ़ें। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने केवल विचार नहीं दिए, उन्होंने विचार के साथ-साथ भारत को संयोजन भी प्रदान किया। सिर्फ ज्ञान नहीं दिया, बल्कि ज्ञान का आकार भी दिया। आदि शंकराचार्य जी ने सिर्फ मोक्ष का विचार नहीं दिया, बल्कि मोक्ष तक पहुँचने का मार्ग भी बताया। श्री शाह ने कहा कि इतनी अल्प आयु में उन्होंने कई बार देश की पदयात्रा की। आदि शंकर जी ने एक प्रकार से उस जमाने में पैदल चलते विश्वविद्यालय की भूमिका निभाई। सिर्फ पैदल यात्रा ही नहीं की, बल्कि भारत की पहचान को प्रस्तुत किया।

श्री अमित शाह ने कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने चार दिशाओं में चार मठ स्थापित किए, ज्ञानद्वीप की स्थापना की और पूर्व-पश्चिम, उत्तर-दक्षिण—चारों दिशाओं में सनातन की ध्वजा फहराने का कार्य किया। उन्होंने इन चारों मठों के तत्वावधान में सारे वेदों और उपनिषदों को बाँटकर उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए हमेशा के लिए एक व्यवस्था स्थापित की। कठिन से कठिन परिस्थितियों में सनातन धर्म कालबाह्य न हो, इसके लिए आदि शंकराचार्य जी ने अखाड़ों की स्थापना की और सनातन संस्कृति के लिए संगठन का निर्माण किया। श्री शाह ने कहा कि भक्ति, कर्म और ज्ञान, तीनों मार्गों से मोक्ष संभव है, यह समन्वित विचार आदि शंकराचार्य जी की महान देन है। आदि शंकराचार्य जी ने शास्त्रार्थ की परंपरा को पुनर्जीवित कर संवाद से समाधान और उ४'३४१ी ड्ढ्र ुेंइ३ल्लॅ की नींव रखी। उन्होंने यह भी कहा कि आदि शंकराचार्य जी ने प्रकृति की पूजा से लेकर सनातन के मूल तत्व को पहचानने का रास्ता आम लोगों के लिए प्रशस्त किया।

बल्ले से तबाही और फिर 'सिटी मार' इशारा! केएल राहुल के सेलिब्रेशन ने सोशल मीडिया पर लगाई आग

बल्लेबाज केएल राहुल के लिए राजकोट का निरंजन शाह स्टेडियम किसी सुनहरे सपने से कम नहीं रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे वनडे में जब टीम इंडिया मुश्किल में थी, तब राहुल ने संकटमोचक बनकर न केवल एक ऐतिहासिक शतक जड़ा, बल्कि अपने एक अनोखे 'सिटी मार' सेलिब्रेशन से पूरे सोशल मीडिया पर आग लगा दी।

हर कोई यह जानना चाहता है कि आखिर शांत रहने वाले राहुल ने बीच मैदान पर हेलमेट उतारकर सीटी क्यों बजाई? क्या यह आलोचकों को जवाब था या इसके पीछे कोई 'सीक्रेट' छिपा है? इसका जवाब जानने का प्रयास हर कोई कर रहा है।

राजकोट में तूफानी अंदाज

एक समय था जब केएल राहुल की फॉर्म पर सवाल उठ रहे थे, लेकिन राजकोट में उन्होंने दिखा दिया कि उन्हें 'क्लास प्लेयर' क्यों कहा जाता है। नंबर 5 पर बल्लेबाजी करने आए राहुल ने 92 गेंदों में नाबाद 112 रनों की पारी खेली। अपनी पारी की आखिरी गेंद पर जैसे ही उन्होंने गगनचुंबी छक्का जड़ा और अपना शतक पूरा किया, पूरा स्टेडियम गूंज उठा। असली सुर्खियां बटोरी उनके जश्न मनाने के अंदाज ने बटोर ली।

आमतौर पर केएल राहुल अपने कान बंद करके सेलिब्रेट करते हैं, जिसका मतलब होता है 'बाहर के शोर को अनसुना करना'। लेकिन इस बार उन्होंने अपनी उंगलियां मुंह में डालीं और जोर से सीटी बजाई।

सेलिब्रेशन का मतलब क्या?

खबरों की की मानें तो यह सेलिब्रेशन उनकी बेटी 'इवारा' को समर्पित था। दरअसल, छोटी इवारा अक्सर खेलते हुए इसी तरह अपनी उंगलियां मुंह में डालती है। राहुल ने अपनी इस ऐतिहासिक उपलब्धि को अपनी नन्ही परी के नाम करते हुए यह प्यारा इशारा किया। सोशल मीडिया पर फैंस इस 'डैडी-डॉटर' कनेक्शन को देखकर काफी भावुक हो रहे हैं। इस शतकीय पारी का फायदा टीम इंडिया को हुआ है, भारत ने 7 विकेट पर 284 रनों का स्कोर खड़ा कर दिया।

केएल राहुल के कहर से नहीं बच पाए कीवी गेंदबाज, राजकोट में तूफानी शतक जड़कर भारतीय पारी को बचाया

(जीएनएस)।

न्यूजीलैंड के खिलाफ राजकोट एकदिवसीय मुकाबले में केएल राहुल ने उस वक्त जिम्मेदारी संभाली, जब भारतीय टीम की पारी लड़खड़ा चुकी थी। लगातार विकेट गिरने से भारत दबाव में था, लेकिन राहुल ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए पारी को संभाला। उनकी शतकीय पारी ने टीम इंडिया को सहारा दिया।

केएल राहुल ने अपने शतक के साथ पारी को नई रफ्तार दी। उन्होंने 92 गेंदों में नाबाद 112 रन बनाते हुए आखिरी ओवरों में तेजी से रन बटोरे, जिससे भारत का स्कोर 7 विकेट पर 284 रन तक पहुंच गया। मुश्किल हालात में खेली गई यह पारी न सिर्फ राहुल की तकनीकी मजबूती दिखाती है, बल्कि दबाव में मैच पलटने की उनकी काबिलियत का भी सबूत है।

दिग्गज फेल, तब चला जादू

टीम इंडिया का स्कोर जब 118/4 था, तब हालात बेहद मुश्किल नजर आ रहे थे और 200 रन तक पहुंचना भी चुनौती लग रहा था। ऐसे दबाव भरे समय में केएल राहुल ने जिम्मेदारी संभाली और धैर्य के साथ पारी को आगे बढ़ाते हुए कीवी गेंदबाजों की लय पूरी तरह तोड़ दी।

केएल राहुल ने अपनी पारी में 11 चौके और 1 छक्का जड़ते हुए रनगति को तेजी से बढ़ाया। यह एकदिवसीय क्रिकेट में उनका आठवां शतक रहा, जिसने न सिर्फ भारत को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया बल्कि मुश्किल घड़ी में उनकी फिनिशिंग क्षमता भी उजागर की।

टॉस हारकर पहले खेलते हुए आज टीम इंडिया की बैटिंग लाइनअप बिखर सी गई। हालांकि कप्तान शुभमन गिल के बल्ले से जरुर अर्धशतक आया लेकिन रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दो दिग्गज बल्लेबाज सस्ते में आउट हो गए, इससे टीम इंडिया दबाव में थी।

पिछली पारी छोड़ी वहां से किया शुरू

राहुल ने पिछले मैच में छक्के से जीत दिलाई थी, वहां से आज फिर अपनी पारी शुरू करते हुए धमाल मचा दिया। मैदान के चारों तरफ बेहतरीन स्ट्रोक खेलते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए उन्होंने टीम की डूबती नैया को पार लगा दिया। भारत ने उनके शतक की वजह से 284 का स्कोर हासिल किया।

45 की उम्र में पवन सिंह के गाने पर संभावना सेठ ने मचाई धूम

(जीएनएस)।

फेमस डांसर, एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर संभावना सेठ एक बार फिर इंटरनेट पर छा गई हैं। जब सोशल मीडिया पर व्लॉगिंग का ट्रेंड शुरू भी नहीं हुआ था, तब उनके पति अविनाश द्विवेदी ने उन्हें यूट्यूब की दुनिया से रूबरू कराया था।

पवन सिंह के गाने पर कातिलाना डांस

आज संभावना सेठ लाखों दिलों पर राज कर रही हैं और उनके फैंस को उनका एक बिल्कुल नया और बिंदास अवतार देखने को मिल रहा है। हाल ही में संभावना सेठ ने भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह के चर्चित गाने राजा जी के दिलवा पर एक छोटा सा डांस रील शेयर किया है। महज 14 सेकेंड के इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है।

संभावना सेठ का वीडियो हुआ वायरल

संभावना सेठ के लटके-झटकों और एक्सप्रेशंस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया है। उनका डांस इतना दमदार है कि फैंस खुद को कमेंट करने से रोक नहीं पा रहे हैं। संभावना का रील वायरल होते ही कमेंट सेक्शन

तारीफों से भर गया है।

लोगों ने वीडियो पर किए ऐसे कमेंट्स

एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा है- 45 साल की हैं? कौन कहेगा। एक दूसरे शख्स ने लिखा है- संभावना जी रियल क्वीन हैं, डांस शुरू होते ही सबकी सिट्टी-पिट्टी गुम। एक फैन ने तो यहां तक लिख दिया है कि वह मलाइका अरोड़ा को भी फेल कर रही हैं।

संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी की जोड़ी

संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी टीवी और यूट्यूब की दुनिया के सबसे पसंदीदा कपल्स में से एक हैं। दोनों की बॉन्डिंग और ईमानदारी फैंस को काफी पसंद आती है। हालांकि बीता साल उनके लिए बेहद दर्दनाक साबित हुआ था।

शादी के 9 साल बाद भी मां नहीं बन पाईं संभावना सेठ

-साल 2024 में संभावना सेठ को अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका लगा था, जब उनका गर्भपात हो गया था। एक्ट्रेस लंबे समय से मां बनने की कोशिश कर रही थीं। कई बार क्श्ऋ ट्रीटमेंट लेने के बाद जब आखिरकार वह प्रेग्नेंट हुईं, तब ये खुशी ज्यादा समय तक नहीं टिक पाई।

-संभावना सेठ और अविनाश द्विवेदी ने खुद एक व्लॉग के जरिए इस दर्दनाक अनुभव को शेयर किया था। वीडियो की शुरूआत में अविनाश ने भावुक होते हुए बताया था- संभावना ने अपने अजन्मे बच्चे को खो दिया है। कपल ने बताया कि उनकी शादी को 9 साल हो चुके हैं और वह लंबे समय से पैरेंट बनने की कोशिश कर रहे थे लेकिन दुर्भाग्यवश क्श्ऋ भी सफल नहीं हो पाया।

दर्द के बावजूद नहीं टूटा हौसला

इतने बड़े निजी दुख के बावजूद संभावना सेठ ने खुद को संभाला और

विशाल ददलानी ने किया मतदान, बोले - 'मैं अब लोगों से अपील नहीं करता', आखिर क्यों हैं नाराज?

(जीएनएस)।

मुंबई में बीएमसी चुनाव के लिए गुरुवार (15 जनवरी) को मतदान हो रहा है। सिंगर और म्यूजिशियन विशाल ददलानी भी वोटिंग के लिए पहुंचे। इस दौरान दिया उनका बयान चर्चा में हैं। उन्होंने कहा कि मैं अब देशवासियों से और जनता से कोई अपील नहीं करता। ददलानी आम तौर पर सार्वजनिक मुद्दों पर खुलकर राय रखते हैं और उन्होंने अन्ना आंदोलन को भी सपोर्ट किया था। लंबे समय तक उन्होंने आम आदमी पार्टी का समर्थन किया था।

मतदान केंद्र पर वोट डालने पहुंचे विशाल ददलानी ने कहा कि अब वह लोगों से अपील करना छोड़ चुके हैं। इसके बाद से सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि हर मुद्दे पर खुलकर राय रखने वाले सिंगर-कंपोजर ने मतदान वाले दिन ऐसी निराशा भरी बात कही है।

सिंगर ने साफ कहा कि अब वह लोगों से वोट डालने की अपील करना बंद कर चुके हैं, क्योंकि देश और शहर के लिए आगे आना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। विशाल ददलानी ने कहा, 'मैं अब लोगों से अपील नहीं करता। अगर कोई अपने देश, अपने शहर और अपने भविष्य को लेकर गंभीर है, तो उसे खुद आगे आना चाहिए।' आगे उन्होंने कहा कि मुंबई में कई समस्याएं हैं। शहर में सीवरेज, ट्रैफिक, महालक्ष्मी रेसकोर्स बचाने जैसी कई समस्याएं हैं। लोगों को अपना मत सोच-समझकर देना चाहिए।

महाराष्ट्र में बीएमसी समेत 29 महानगरपालिकाओं के लिए गुरुवार, 15 जनवरी को सुबह 7:30 बजे से मतदान जारी है। बीएमसी चुनाव को राज्य की राजनीति में सेमीफाइनल की तरह देखा जा रहा है। इसके नतीजे मुंबई की दिशा और आने वाले राजनीतिक समीकरणों को तय करेंगे। बीएमसी चुनाव 2022 में ही प्रस्तावित थे, लेकिन आखिरकार लगभग 4 साल की देरी के बाद वोटिंग हो रही है। चुनाव के नतीजे शुक्रवार, 16 जनवरी को आएंगे। इन नतीजों का असर ठाकरे परिवार से लेकर बीजेपी और एकनाथ शिंदे पर पड़ना तय है।

असम की सच्चाई और देशप्रेम दिखाएगी 'बिहू अटैक'

(जीएनएस)।

निमार्ता प्रबीर कांता साहा की नई फिल्म 'बिहू अटैक' दर्शकों के लिए एक सशक्त और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानी लेकर आ रही है। असम के प्रतिष्ठित बिहू पर्व के अवसर पर रिलीज हो रही यह फिल्म राष्ट्रीय सुरक्षा, सांस्कृतिक पहचान और असम की जमीनी हकीकत जैसे महत्वपूर्ण विषयों को संवेदनशीलता और प्रभावशीलता के साथ पर्दे पर उतारेगी। यह कहानी देशप्रेम, मानवीय संवेदनाओं और रोमांचक घटनाक्रम का एक अनूठा संगम है, जिसकी पृष्ठभूमि में असम का सबसे बड़ा त्योहार बिहू है।

'बिहू अटैक' सिर्फ एक रोमांचक थ्रिलर नहीं है, बल्कि यह किसी क्षेत्र और देश के बीच के गहरे रिश्ते को दर्शाती है। फिल्म उत्तर-पूर्व भारत की चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए यह स्पष्ट संदेश देती है कि उग्रवाद के खिलाफ शिक्षा, एकता और सामाजिक समावेशन ही सबसे मजबूत हथियार हैं।

फिल्म में देव मेनारिया, डेजी शाह, अरबाज खान और राहुल देव मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही,

रजा मुराद, युक्ति कपूर, अमी मिसोबह (अमी नाजमा सुल्ताना), हितेन तेजवानी, मीर सरवर, डिम्पू बरुआ, कालिंद्री दास, क्रॉसवेल तिमुंग, जीत रायदुत और अमित लेखवानी भी प्रमुख किरदारों में नजर आएंगे।

'बिहू अटैक' की कहानी असम से ताल्लुक रखने वाले साहसी और कर्तव्यनिष्ठ कोर्ट मार्शल अधिकारी राज कुंवर पर केंद्रित है। राज का मानना है कि भटके लोगों को सही राह पर लाने में शिक्षा और समाज से जुड़ाव, बंदूकों से अधिक कारगर है। इसी सोच के साथ वह क्षेत्र के आतंकी संगठनों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास करते हैं, जिससे स्थानीय समुदायों के साथ विश्वास का मजबूत रिश्ता बनता है।

अपनी पत्नी के निधन के बाद छोटी बेटी दृति के साथ रह रहे राज कुंवर की ज़िंदगी तब खतरनाक मोड़ लेती है जब खुफिया एजेंसियों को बिहू उत्सव के दौरान एक बड़े आतंकी हमले की सूचना मिलती है। यह हमला देश के रक्षा मंत्री की असम यात्रा से जुड़ा होता है, जिससे हालात और भी गंभीर हो जाते हैं।

फिल्म के निमार्ता प्रबीर कांता साहा ने 'बिहू अटैक' को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए कहा, "बिहू अटैक मेरे दिल के बेहद करीब है। यह सिर्फ.एक फिल्म नहीं, बल्कि असम की सच्चाई, उसकी संस्कृति और देश के प्रति लोगों के प्रेम का प्रतिबिंब है। इस कहानी के जरिये हम यह दिखाना चाहते हैं कि शिक्षा, एकता और इंसानियत डर और हिंसा से कहीं ज्यादा ताकतवर हैं। यह फिल्म असम की आत्मा और हमारे वीर सुरक्षाबलों को समर्पित है।"

अपने मजबूत देशभक्ति भाव, समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और प्रभावशाली कहानी के साथ 'बिहू अटैक' एक ऐसा सिनेमाई अनुभव बनने का वादा करती है, जो क्षेत्रीय कहानियों को राष्ट्रीय भावनाओं से सफलतापूर्वक जोड़ता है। 'बिहू अटैक' का निर्माण पीकेएस फिल्म प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले हुआ है। फिल्म के निमार्ता प्रबीर कांता साहा हैं, जबकि इसका निर्देशन सुजाद इकबाल खान ने किया है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

डीएम ने 15 लाभार्थियों को वितरित किए निःशुल्क एग-चिकन कार्ट, पोल्ट्री व्यवसाय को मिला रफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत।जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सालय सदर पहुंचकर जनपद के 15 लाभार्थियों को नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी द्वारा पशुपालन विभाग के सहयोग से निःशुल्क एग एवं चिकिन कार्ट वितरित किए।

यह पहल पोल्ट्री व्यवसाय की वृद्धि एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है, जिससे ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम में डीएम ने लाभार्थियों को कार्ट सौंपते हुए कहा कि जिला प्रशासन पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कटिबद्ध है।

नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि ये आधुनिक कार्ट अंडे बिक्री एवं चिकन

वितरण के लिए सुसज्जित हैं, जो स्थानीय बाजारों में आसानी से उपयोग किए जा सकेंगे।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर लाभार्थियों को व्यवसाय संचालन की जानकारी दी।इस वितरण से लाभार्थी परिवारों की आर्थिक स्थिति सशक्त होगी तथा जिले में पोल्ट्री उत्पादन में वृद्धि होगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि और लोग लाभान्वित हो सकें। लाभार्थियों ने डीएम एवं संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग के अनुसार, यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में सदर ब्लॉक सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के वितरण आयोजित किए जाएंगे।

डीएम ने 15 लाभार्थियों को वितरित किए निःशुल्क एग-चिकन कार्ट, पोल्ट्री व्यवसाय को मिला रफ्तार

(जीएनएस)।

पीलीभीत।जिलाधिकारी ने पशु चिकित्सालय सदर पहुंचकर जनपद के 15 लाभार्थियों को नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी द्वारा पशुपालन विभाग के सहयोग से निःशुल्क एग एवं चिकिन कार्ट वितरित किए।

यह पहल पोल्ट्री व्यवसाय की वृद्धि एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है, जिससे ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम में डीएम ने लाभार्थियों को कार्ट सौंपते हुए कहा कि जिला प्रशासन पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कटिबद्ध है।

नेशनल एग कोआर्डिनेशन कमेटी के प्रतिनिधियों ने बताया कि ये आधुनिक कार्ट अंडे बिक्री एवं चिकन

वितरण के लिए सुसज्जित हैं, जो स्थानीय बाजारों में आसानी से उपयोग किए जा सकेंगे।

पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर लाभार्थियों को व्यवसाय संचालन की जानकारी दी।इस वितरण से लाभार्थी परिवारों की आर्थिक स्थिति सशक्त होगी तथा जिले में पोल्ट्री उत्पादन में वृद्धि होगी।

डीएम ने निर्देश दिए कि ऐसी योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि और लोग लाभान्वित हो सकें। लाभार्थियों ने डीएम एवं संबंधित विभागों का आभार व्यक्त किया।

पशुपालन विभाग के अनुसार, यह योजना ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में सदर ब्लॉक सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसी प्रकार के वितरण आयोजित किए जाएंगे।

शाम ग्रुप द्वारा आयोजित खेल महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ

(जीएनएस)।

लखनऊ/प्रयागराज

शिक्षा, खेल और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शाम ग्रुप द्वारा आयोजित खेल महोत्सव का आज भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कौशांबी लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय पुष्पेंद्र सरोज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। सांसद ने विधिवत फीता काटकर खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया तथा खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना से आगे बढ़ने का संदेश दिया।

संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव सामाजिक सेवा, शिक्षा और खेल के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं। उनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेल के माध्यम से आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। वे मानते हैं कि खेल न केवल शारीरिक विकास करता है, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना भी विकसित करता है। उनके मार्गदर्शन में शाम ग्रुप लगातार शिक्षा, प्रतिभा सम्मान, खेल प्रतियोगिताओं एवं सामाजिक सहयोग जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का कार्य कर रहा

है।कार्यक्रम के आयोजन में शाम ग्रुप की पूरी कार्यकारिणी की अहम भूमिका रही। संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, सचिव मनीष यादव एवं उप-सचिव अतुल यादव के नेतृत्व में खेल महोत्सव का सफल एवं अनुशासित आयोजन किया गया।

संस्था के अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव सामाजिक सेवा, शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहते हुए ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। उनके नेतृत्व में शाम ग्रुप शिक्षा, प्रतिभा विकास, खेल गतिविधियों एवं सामाजिक सहयोग के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर संस्था के सदस्य मनीष यादव, शिवकुमार, निहाल, मुकेश, श्याम सुंदर, कमला शंकर सहित सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।इस अवसर पर आयोजक शाम ग्रुप के पदाधिकारियों एवं सहयोगी साथियों ने मुख्य अतिथि का गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत समारोह में निर्मल प्रधान (बबुरा), डॉ. विजय बाबू यादव (जिला पंचायत सदस्य), ननकेश बाबू, रंजीत सोनकर, सुधीर यादव, डॉ. विजय यादव, अंकित यादव, सेमरहा विनय सिंह यादव, गड़ैला प्रधान सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मनीष यादव, मोहित यादव, निहाल मिश्रा, निखिल मिश्रा, विमल, संजय एवं अन्य सहयोगी साथियों ने भी अतिथियों के स्वागत में सक्रिय भूमिका निभाई। शाम ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित समरूप खेल महोत्सव का शुभारंभ आज 15 जनवरी से हो गया है, जो 21 जनवरी तक लगातार चलेगा। इस बहुदिवसीय खेल आयोजन में क्षेत्र की विभिन्न खेल टीमों द्वारा भाग लिया जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में खेल उत्सव जैसा माहौल बना हुआ है।

इस खेल महोत्सव का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, टीमवर्क तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के दौरान विभिन्न आयु वर्गों के प्रतिभागी अलग-अलग खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। आयोजन स्थल पर खेल प्रेमियों, अभिभावकों एवं ग्रामीणों की अच्छी-खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

महोत्सव के अंतर्गत क्रिकेट, कबड्डी, दौड़ सहित अन्य पारंपरिक एवं आधुनिक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं।

बीसलपुर तहसील में अवैध मेला धड़ल्ले से चल रहा, करोड़ों की काली कमाई का आरोप

पीलीभीत। बीसलपुर तहसील के सोहरा गांव में कुछ लोग बेखौफ होकर अवैध तरीके से बड़ा मेला लगा रहे हैं। एक ओर प्रशासन ने सखिया मेला बंद कराने में सख्ती दिखाई, वहीं दूसरी ओर यह मेला खुलेआम धड़ल्ले से चल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि आस्था की आड़ में यहां करोड़ों रुपये की काली कमाई हो रही है।यह मेला सोहरा गांव के भगत रैवारी यादव के द्वारा लगाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, योगी सरकार के नियम-कानूनों की यहां खुलेआम अनदेखी हो रही है, जिससे लोगों को गुमराह किया जा रहा है। अवैध ठेले, जुआ और अन्य गतिविधियां मेले में खुला खेल खेल रही हैं, जो बीसलपुर प्रशासन को खुली चुनौती दे रहा नजर आता है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि सखिया मेला बंद कराने वाले प्रशासनिक अधिकारी इस बड़े मेले पर अब तक चुप्पी साधे हुए हैं। प्रशासन की इस लापरवाही से इलाके में अपराध के साये बढ़ रहे हैं। सवाल उठता है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस अवैध मेले पर नजर डालेंगे या इसे भी आस्था का नाम देकर अनदेखा कर देंगे?

योगी सरकार में नियमों की अनदेखीः प्रशासन चुप्पी क्यों?योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा सख्त कानून-व्यवस्था के दावों के बावजूद बीसलपुर तहसील में यह मेला खुली चुनौती दे रहा है। प्रशासनिक स्रोतों के अनुसार, मेला बिना नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी), फायर सेफ्टी और ट्रैफिक प्लान के लगाया गया है। फिर भी तहसीलदार, पुलिस चौकी प्रभारी और एसडीएम की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई। सवाल उठता है कि क्या ऊपर से दबाव है या भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया मामला?"

मेले का पूरा मामलाः भगत रैवारी यादव का काला कारोबार आस्था का ढोंग रचकर लोगों को लूटा जा रहा है। बच्चे-बूढ़े सब खतरे में हैं।"स्थानीय लोगों का आरोप है कि आस्था की आड़ में यहां करोड़ों रुपये की काली कमाई हो रही है।

जमुनापार वेदों मे आज मनराजी हॉस्पिटल वेदों करछना विधान सभा प्रयागराज में मा.सांसद पुष्पेन्द्र सरोज जी का भव्य स्वागत किया गया

(जीएनएस)।

महेश सिंह लखनऊ /प्रयागराज

जमुनापार वेदों मे आज मनराजी हॉस्पिटल वेदों करछना विधान सभा प्रयागराज में मा.सांसद पुष्पेन्द्र सरोज जी का भव्य स्वागत किया गया बड़ों की दुवायें , युवाओं की आवाज नई सोच, युवा नेतृत्व में आप का आशीर्वाद ऐसे बना रहे और शामिल युवा को आगे बढ़ाने के लिये सांसद जी का सुझाव मिला सभी साथीयो के साथ स्वागतम हुआ जिसमे डॉ. विजय यादव , डॉ. अशोक भारती , डॉ. रमेश

यादव , मोहित यादव समाजवादी छात्र सभा अध्यक्ष प्रयागराज यमुनापार ,मुकेश यादव मा. अरुण यादव समस्त क्षेत्र वासियों का आभार प्रकट

स्वामी प्रमोदानंद महाराज जी ने सत्संग में प्रजापति दक्ष का सुनाया प्रसंग

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। कस्बा मसौली स्तिथ बाबा राम शरण दास भगवत दास कुटी हनुमान मंदिर पर चल रही विराट रूद्र महायज्ञ कार्यक्रम में यज्ञ सम्राट स्वामी प्रमोदानंद महराज जी ने सत्संग में प्रजापति दक्ष का प्रसंग सुनाया।महाराज जी ने कहा प्रजापति दक्ष ने यज्ञ में भगवान शंकर को निमंत्रण नहीं दिया तो सती को जाने से मना करने पर भगवान शंकर ने कहा आपके पिता मुझसे क्रोधित है। तब सती ने इस क्रोध का कारण पूछा तो शंकर जी कहा कि एक समय की बात है। जब प्रजापति दक्ष देवताओं की सभा के सभापति थें। देवताओं की सभा में जब प्रजापति दक्ष का आगमन हुआ तो सभी देवताओं ने खड़े होकर महाराज दक्ष का स्वागत किया लेकिन भगवान शंकर नहीं खड़े हुए।तब प्रजापति ने भगवान शंकर से कहा हे शंकर तो सभा से भग जा। तभी प्रजापति दक्ष ने एक प्रस्ताव जारी किया। की किसी भी पूजा पाठ में शंकर जी को नहीं बुलाया जाएगा। लेकिन बिना शंकर के कौन पूजा पाठ करे। जिससे सभी पूजा पाठ बंद हो गए। तब प्रजापति दक्ष ने यज्ञ का आयोजन किया। और मुझे निमंत्रण नहीं दिया है। यह प्रसंग सुन सभी श्रोताओं ने भगवान भोलेनाथ शंकर के जयकारे लगाकर वातावरण को भक्तिमय कर दिया।इस अवसर पर मन्दिर के पुजारी रामलाल दास व समस्त ग्रामवासी मौजूद रहे ।

पिपरा खास में डॉ. डी.पी. गंगवार ने पेश की सेवा और समरसता की मिसाल

खिचड़ी भोज के साथ 1051 जरूरतमंदों को बांटे कंबल

(जीएनएस)।

बरखेड़ा (पीलीभीत)।

क्षेत्र के ग्राम पिपरा खास में सामाजिक समरसता और मानव सेवा का भव्य उदाहरण देखने को मिला, आई एम ए प्रेसिडेंट इलेक्ट एवं 130 विधानसभा बीसलपुर के पूर्व प्रत्याशी, समाजसेवी डॉ. डी.पी. गंगवार के नेतृत्व में खिचड़ी भोज एवं 1051 कंबलों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन उनके पैतृक गांव में ठंड से जूझ रहे वृद्ध, महिलाएं और आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान गांव के सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए और सभी ग्रामवासियों को खिचड़ी-प्रसाद ग्रहण कराया गया। पूरे गांव में उत्साह और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कंबल पाकर बुजुर्गों और जरूरतमंदों के चेहरों पर राहत और खुशी साफ झलक रही थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. डी.पी. गंगवार ने कहा कि 'समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति की सेवा ही सच्ची सेवा है। ठंड के मौसम में जरूरतमंदों को कंबल उपलब्ध कराना केवल सहायता नहीं, बल्कि मानवीय कर्तव्य है।' उन्होंने कहा कि उन्हें समाजसेवा से आत्मिक संतोष मिलता है और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी ग्रामवासियों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

इस अवसर पर नागेन्द्र प्रताप सिंह (एडवोकेट एवं जिला महामंत्री भाजपा किसान मोर्चा), डीजी अस्पताल की चेयरमैन डॉ. गीता गंगवार, नरेश चंद्र, नीरज गंगवार, जगदीश (लेखपाल), कमलेश, पंकज, गप्पल बाबू, सत्यपाल, जमना प्रसाद, कुमार सेन, राहुल, विकास, नीतन, बबलू सागर सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने डॉ. डी.पी. गंगवार के इस सेवा भाव से प्रेरित कार्य की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और इसे गांव में भाईचारे, एकता और मानवता का मजबूत संदेश बताया।

दियोरिया-बीसलपुर हाईवे पर बेलगाम ई-रिक्शा, बिना नंबर प्लेट दौड़ रहे सैकड़ों वाहन

(जीएनएस)।

दियोरिया।। दियोरियाझ बीसलपुर हाईवे पर इन दिनों बिना नंबर प्लेट के ई-रिक्शा खुलेआम दौड़ रहे हैं और यातायात नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये वाहन न सिर्फ अवैध रूप से सवारियां भर रहे हैं बल्कि आम लोगों की जान के लिए भी बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि ऐसे कई ई-रिक्शा दियोरिया कोतवाली गेट के सामने से रोज गुजरते हैं, फिर भी कोई रोक-टोक नजर नहीं आती।स्थानीय लोगों का कहना है कि सुबह से देर शाम तक दर्जनों ई-रिक्शा बिना किसी पहचान के फरार्टा भरते दिखाई देते हैं। न इनमें नंबर प्लेट लगी है, न ही वाहन स्वामी का नाम या मोबाइल नंबर लिखा है। कुछ में नंबर प्लेट है भी तो इतनी धुंधली कि उसे पढ़ पाना संभव नहीं। ऐसे में अगर कोई हादसा हो जाए तो जिम्मेदारी तय करना मुश्किल हो जाता है। हाईवे पर ओवरलोडिंग, गलत दिशा में चलना और तेज रफ्तार आम बात हो गई है। कई बार बाइक सवार, स्कूली बच्चे और बुजुर्ग इनसे बाल-बाल बचते हैं। इसके बावजूद परिवहन विभाग और यातायात पुलिस की चुप्पी लोगों को हैरान कर रही है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि बिना नंबर प्लेट और अवैध रूप से चल रहे ई-रिक्शा के खिलाफ तत्काल सख्त अभियान चलाया जाए, ताकि किसी बड़े हादसे से पहले व्यवस्था सुधारी जा सके। प्रशासन की यह अनदेखी कहीं भारी न पड़ जाए — यही अब सबसे बड़ी चिंता है।

कैसरबाग पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

(जीएनएस)।

लखनऊ। कैसरबाग थाना पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी पर शादी का झांसा देकर पीड़िता से शारीरिक संबंध बनाने और बाद में धमकी देने का आरोप है। पुलिस कमिश्नर लखनऊ अमरेंद्र कुमार सेंगर के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी), अपर पुलिस उपायुक्त (पश्चिमी) एवं सहायक पुलिस आयुक्त कैसरबाग थाना प्रभारी अंजनी कुमार मिश्रा के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना कैसरबाग पुलिस ने मो. आदिल पुत्र मोहम्मद यूसुफ, निवासी फ्लैट नंबर 303, आगा साहब की कोठी, ख्यालीगंज, कैसरबाग लखनऊ (मूल निवासी बरेली) को 15 जनवरी 2026 को रात करीब 2:45 बजे रेड क्रॉस अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता द्वारा 29 दिसंबर 2025 को मुकदमा दर्ज कराया गया था। आरोपी शादी का झूठा वादा कर पीड़िता से संबंध बनाता रहा और शादी की बात करने पर टालमटोल करता था। बाद में आरोपी ने पीड़िता से अभद्रता की और उसकी फोटो व वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। मुकदमा दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार था, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ धारा 69/351(2)352/115(2) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस द्वारा आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा रिमांड की प्रक्रिया की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक प्रशांत कुमार, कांस्टेबल करमचंद्र, हेड कांस्टेबल वीर सिंह, रामकेश सिंह, अरविन्द कुमार सहित सर्विलांस टीम भी शामिल रही।

सेमरी में विराट हिंदू सम्मेलन हुआ सम्पन्न, सनातन धर्म की एकता पर जोर

(जीएनएस)।

लखनऊ। संडीला खंड के मंडल सोम के अंतर्गत सांई धाम (ज्वाला मंदिर), सेमरी, संडीला में हिंदू रक्षा समिति के तत्वाधान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य हिंदू धर्म की एकता और संगठन को मजबूत करना था। सर्वप्रथम स्वामी पगलानंद गिरी जी महाराज, मनोज क्षेत्र संपर्क प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश, अध्यक्ष गुरु प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि रेखा गुरु के द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम शुरू हुआ।उसके बाद नन्हे मुन्ने बच्चों एवं बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुरु प्रसाद गुप्ता ने की। सम्मेलन में स्वामी पगलानंद गिरी जी महाराज, अध्यक्ष गुरु प्रसाद, विशिष्ट अतिथि रेखा गुरु ने अपने विचार रखें। मुख्य वक्ता क्षेत्र संपर्क प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश मनोज ने संघ की स्थापना के पृष्ठ भूमि रखते हुए डॉक्टर हेडगेवार के जीवन पर प्रकाश डालकर हिंदू समाज की एकता, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण, नागरिक शिष्टाचार, स्वदेशी और राष्ट्र निर्माण में समाज की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे आयोजनों को समाज को जोड़ने और आपसी मतभेदों को समाप्त करने में महत्वपूर्ण बताया। सम्मेलन के समापन के उपरांत विशिष्ट अतिथि रेखा गुरु के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बालक एवं बालिकाओं को उपहार देकर सम्मानित किया गया। अंत में क्षेत्र संपर्क प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश मनोज के द्वारा मंच का संचालन कर रहे गौ गीता गंगा रक्षा मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष एडवोकेट विवेक मिश्रा (विराट)को अच्छे मंच संचालन के लिए शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रेषित किया गया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण एक ही पंडाल के नीचे आयोजित सामाजिक समरसता महाभोज रहा। प्रमुख उपस्थितियों में स्वामी पगलानंद गिरी जी महाराज, क्षेत्र संपर्क प्रमुख पूर्वी उत्तर प्रदेश मनोज, जिला संघ चालक संडीला जय प्रकाश, जिला कार्यवाह तीर्थराज, जिला प्रचारक कमलेश, सह जिला कार्यवाह डॉ० ब्रज मोहन, खंड कार्यवाह अखिलेश, खंड प्रचारक रोहित, कार्यक्रम संयोजक दिनेश, नगर कार्यवाह मनोज, सह नगर कार्यवाह रजत, मंडल कार्यवाह सोम आदर्श, खंड संघ संचालक नागेंद्र, संडीला विधायक अल्का सिंह अर्कवंशी, प्रमुख समाजसेवी कर्नल आदित्य प्रताप सिंह, जिला अध्यक्ष मिशन मोदी पीएम अगेन सुनीता सिंह राठौर, कुंवर वीरेंद्र सिंह राजा मल्हेरा, नि. मंडल अध्यक्ष भाजपा संडीला हर्षवर्धन मिश्रा, सह संस्थापक सेमरी सांई धाम ट्रस्ट रामेश्वर सिंह उर्फ राजू भईया, विश्व हिंदू महासंघ जिला उपाध्यक्ष संजय शुक्ला, विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष राम गोपाल सिंह, विश्व हिंदू परिषद नगर मंत्री अजय द्विवेदी, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि संडीला अमित गुप्ता उर्फ शालू, हिन्दू जागरण मंच जिलाध्यक्ष अनुराग शुक्ला, वरिष्ठ पत्रकार तहसील अध्यक्ष संडीला ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन मुकेश सिंह, प्रदेश अध्यक्ष हिंदू युवजन सभा कुंवर अजीत प्रताप सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष गौ गीता गंगा रक्षा मंच संगठन एडवोकेट विवेक मिश्रा (विराट), मीडिया प्रभारी हरदोई रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) सुचित द्विवेदी, पत्रकार लालता प्रसाद, शिव नारायण, विनय सिंह, डॉ० उमेश अस्थाना, डॉ० अनुराग त्रिपाठी, चंद्रपाल सिंह, पंडित शिव सहाय तिवारी, विपिन गुप्ता, उमेश चंद्र सोनी, ब्रजेश पांडेय, भाजपा मंडल अध्यक्ष संडीला संजीव त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष भाजपा मल्हेरा सर्वेश राठौर, पुत्तन तिवारी, पूर्व प्रधान जलालपुर विमल, डॉ० प्रदीप अग्रवाल, रमाकांत द्विवेदी, भाजपा नेता संडीला अजय सिंह आदित्य, जिला उपाध्यक्ष भाजपा सिद्ध प्रताप मौर्या, डॉक्टर वेद प्रकाश मिश्रा नगर मंडल उपाध्यक्ष भाजपा संडीला, विवेक सिंह, अब्दुल वली, अंकित, रिंकू सिंह सहित सोम मंडल की सैकड़ों महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सहारा के मीडियाकर्मियों को न्याय दिलाने की मांग

एसीएस सूचना से मिली मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति

लखनऊ। राष्ट्रीय सहारा प्रिंट और सहारा समय चैनल से जुड़े मीडियाकर्मियों को वेतन और न्याय दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति ने बुधवार को अपर मुख्य सचिव (सूचना) संजय प्रसाद से मुलाकात की। समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी और सचिव भारत सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सहारा समूह में कार्यरत सैकड़ों पत्रकारों और कर्मचारियों की गंभीर स्थिति से अवगत कराया।

समिति ने बताया कि लखनऊ, नोएडा सहित प्रदेश भर में राष्ट्रीय सहारा अखबार और सहारा समय चैनल से जुड़े बड़ी संख्या में मीडियाकर्मी लंबे समय से वेतन, पीएफ और अन्य वैधानिक सुविधाओं से वंचित हैं। वर्षों से नियमित वेतन न मिलने के बावजूद कर्मचारी संस्थान से जुड़े रहे, लेकिन अब प्रबंधन द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा रहा है और जबरन इस्तीफे लिए जा रहे हैं।

हेमंत तिवारी ने अपर मुख्य सचिव को बताया कि बकाया वेतन और पीएफ का भुगतान किए बिना कर्मचारियों को हटाना और अखबार का प्रकाशन बंद कर देना श्रम कानूनों का खुला उल्लंघन है। इससे हजारों परिवारों की आजीविका संकट में पड़ गई है और मीडियाकर्मी गंभीर आर्थिक व मानसिक दबाव में हैं।

उन्होंने यह भी अवगत कराया कि वेतन न मिलने, नौकरी जाने और आर्थिक तंगी के कारण पूर्व में कुछ सहाराकर्मी आत्महत्या जैसे कठोर कदम उठाने को मजबूर हुए हैं, जो अत्यंत दुखद और चिंताजनक है।

समिति ने अपर मुख्य सचिव से मांग की कि इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लेते हुए सहारा प्रबंधन और कर्मचारियों के बीच हस्तक्षेप किया जाए तथा पीड़ित मीडियाकर्मियों को उनका बकाया वेतन, पीएफ और न्याय दिलाने के लिए ठोस कार्रवाई की जाए।

अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुनते हुए मामले पर आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।प्रतिनिधिमंडल में कोषाध्यक्ष आलोक त्रिपाठी,संयुक्त सचिव अनिल सैनी,कार्यकारिणी सदस्य रितेश सिंह,अब्दुल वहीद,सतेंद्र सिंह,रेनू निगम,नावेद शिकोह,डॉ सुयश मिश्रा आदि शामिल थे।

सपा विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव के आवास पर डिंपल भाभी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

(जीएनएस)।

पीलीभीत पूरनपुर।समाजवादी पार्टी के विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह यादव ने अपने आवास पर लोकप्रिय सांसद श्रीमती डिंपल यादव (भाभी) का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर केक काटा गया और मिठाइयां बांटी गईं।कार्यक्रम में विधानसभा उपाध्यक्ष सतीश चंद्र वर्मा, आनंद प्रकाश पासवान, विजयपाल चौहान, हरिकेश गौतम बाबूजी, डॉक्टर राधेश्याम कश्यप, रामनरेश भारती, डॉक्टर किशन वर्मा, राम रतन शर्मा, जसवंत शर्मा , प्रांशु यादव, पप्पू शर्मा, श्री बांके लाल यादव, डॉक्टर राधेश्याम कश्यप, राजकुमार भार्गव, पुतुलाल शर्मा, प्रशांत शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष युवजन सभा संजय शर्मा सहित तमाम कार्यकर्ता उपस्थित रहे।सपा कार्यकताओं ने इस मौके पर एकजुटता का परिचय दिया और पार्टी की मजबूती पर चर्चा की। कार्यक्रम का आयोजन सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

प्रतियोगिताओं से छिपी प्रतिभाएं उभार कर आई सामने

(जीएनएस)।

लखनऊ। सलोंन, रायबरेली नगर पंचायत के अंतर्गत वार्ड नई बाजार स्थित स्पेशल फोर्सेस फिटनेस श्री श्याम मार्केट सलोन में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी डेड लिफ्ट प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बहुत से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें तीन कैटेगरी में प्रतियोगिता हुई। लाइट वेट डेड लिफ्ट में राज सोनी प्रथम, लवकुश द्वितीय, और गगन तीसरे स्थान पर रहे। वहीं मिडिल वेट डेड लिफ्ट में लवकुश चौधरी प्रथम, विकास द्वितीय, फराज कुरेशी तीसरे स्थान पर रहे। हैवी वेट डेड लिफ्ट में इस्माईल घोसी प्रथम, आमिर द्वितीय, सैय्यद शाकिब तीसरे स्थान पर रहे। प्रतियोगिता का आरंभ पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी इरफान

सिद्दीकी ने डेड लिफ्ट वेट उठा कर एवं फीता काट कर किया। प्रतियोगिता में जिम ट्रेनर एवं प्रोपराइटर मो इरफान घोसी ने मुख्य अतिथि इरफान सिद्दीकी को पुष्प एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया। एवं जिम के प्रोपराइटर मो इरफान घोसी ने इसरार हैदर रानू पूर्व सभासद, शरीफ उर्फ गड्डी सभासद, प्रतिनिधि, अयाज अहमद उर्फ काजू नगर अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी, सभासद, फिरोज सभासद, शिक्षक नेता रामजी सरोज, समीर आलम, साहिल, मोनू, अनूप यादव, तैयब खान को गिफ्ट देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर रजी, मन, राजेश निर्मल, जैद खान, मो शफी, अलीम उर्फ गुड्डु मेवाती, गुड्डू उर्फ अशफाक, निजाम, नौशाद अंसारी, इमरान खान, तहसीन, शनि, फरदीन हैदर आदि लोग भारी संख्या में मौजूद रहे। प्रतियोगिता का संचालन तैयब खान और तहसीन ने किया तथा समापन इसरार हैदर उर्फ रानू और इरफान सिद्दीकी ने अपने संबोधन से किया। जिम के कोच मो० इरफान घोसी ने सभी आए हुए प्रतिभागियों एवं सभी लोगों का दिल से आभार व्यक्त किया।

जमीनी विवाद की सुनवाई के दौरान मिला फर्जी आधार तहसील परिसर में हड़कंप: बिलग्राम

पैतृक जमीन की हिस्सेदारी से जान बूझ कर किया जा रहा वंचित पीड़ित का आरोप

(जीएनएस)।

हरदोई। मामला तब चर्चा में आया जब ग्राम मझिया जाफरपुर के रामखेलावन र/ड छेदा की पैतृक जमीनी विवाद की सुनवाई चल रही थी। उसी दौरान अधिवक्ता की फाइल में एक ऐसा आधार कार्ड मिला जिसमें न्याय में धोखाधड़ी व फजीर्वाड़ा का मामला नजर आया जिसमें पिता का अंकित नाम हेमनाथ दिखाया गया जबकि पीड़ित और गांव वालों का कहना है कि हेमनाथ न ही रामखेलावन के पिता थे न ही उनका उनसे कुछ लेना देना है। कई जांच गवाहों में यह साबित हुआ कि रामखेलावन के पिता छेदा ही थे। इस प्रकार की घटना से कही न कहीं

अधिवक्ता की कार्यशैली व न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़ा होता नजर आ रहा है। बिलग्राम तहसील परिसर के अधिवक्ता जो मुकदमा की पैरवी कर रहे उन्होंने फोन पर बातचीत के दौरान बताया। कि रामखेलावन ने गलत आधार लगाया था। जबकि रामखेलावन ने बताया। कि इस प्रकार का मेरे पास कोई आधार न है न ही रहा है। न ही हेमनाथ मेरे पिता थे। जबकि पीड़ित के अन्य दस्तावेज में नाम पहचान पत्र पर जारी दिनांक 10/12/2003 से व पैन कार्ड, वोटर लिस्ट, बिजली कनेक्शन, परिवार रजिस्टर नकल ऑनलाइन आधार डाउनलोड में रामखेलावन र/ड छेदा ही अंकित है। ग्रामीणों के बताने के अनुसार क्या हैं सच्चाई। गांव में अलग-अलग समुदायों के लोगों के लोगों से सच्चाई जानने की कोशिश की गई जिसमें की ग्राम के उम्र दराज लोग ग्राम के भूत पूर्व प्रधान रामचंद्र सहित रामबली, सुशील सिंह, देवेंद्र सिंह, पिंटू सिंह , बहादुर कुशवाहा, कमलेश गुप्ता, रघुवीर कश्यप, जगजीवन श्रीवास्तव ने बताया कि हम इनको भली भांति जनता हूं और रामखेलावन को भी जनता हूं। छेदा के लड़का है। मामला रामखेलावन के पिता छेदा की दूसरी शादी से जुड़ा इस प्रकार है। ग्रामीणों व अन्य जांचों में यह साबित हुआ है। कि रामखेलावन के पिता ने दूसरी शादी की थी लेकिन जब शादी की थी। तब रामखेलावन का जन्म हो चुका था। कई उम्रदराज बुजुर्ग लोगों ने भी बताया कि रामखेलावन के पिता के पहली शादी के अकेले रामखेलावन ही है। जब छेदा की दूसरी शादी की तब उनकी पांच संताने जिनका नाम पुत्र अशो, दिने, नरे, व पुत्री उष, और माय है। रामखेलावन के पिता का फर्जी आधार मिलने से पूरी न्यायिक प्रक्रिया व अधिवक्ता की कार्यशैली पर सवाल खड़ा कर दिया। जहां तक इस प्रकार की घटना से अन्य न्याय प्रक्रिया में फजीर्वाड़ा की पोल व न्यायिक प्रक्रिया में भ्रष्टाचार की भी मिसाल पेश होती नजर आ रही हैं। अगर इस प्रकार की घटना न्याय के दरवाजों पर हो रही है तो फिर आम लोग न्यायालयों व न्यायिक प्रक्रिया पर क्या ही भरोसा करेंगे। फिलहाल मामले को आगे जांच के लिए निर्देशित किया गया है। मामले को लेकर ग्रामीणों ने क्या कहा। ग्रामीणों ने काफी आक्रोश जताया ग्रामीणों का कहना है कि आधार के फजीर्वाड़े की जांच उच्च अधिकारियों से कराकर कार्रवाई की जाए जिससे आगे लोगों का न्यायालयों व न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा बना रहे।

साइबर क्राइम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फायदा और नुकसान और बचाव

(जीएनएस)।

लखनऊ। आजकल साइबर क्राइम के अपराध बढ़ते जा रहे हैं आज का युग डिजिटल युग कहलाता है। इंटरनेट, मोबाइल फोन, ऑनलाइन बैंकिंग और सोशल मीडिया ने हमारे जीवन को आसान बना दिया है। लेकिन जहाँ एक ओर तकनीक ने सुविधा दी है, वहीं दूसरी ओर साइबर क्राइम जैसी गंभीर समस्या को भी जन्म दिया है। आजकल साइबर अपराध तेजी से बढ़ते जा रहे हैं, जो समाज, अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत जीवन के लिए एक बड़ा खतरा बनते जा रहे हैं साइबर क्राइम का अर्थ है कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट या किसी भी डिजिटल माध्यम का उपयोग करके किया गया अपराध। इसके अंतर्गत ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया अकाउंट हैक करना, फेक लिंक भेजकर पैसे ठगना, पहचान की चोरी, साइबर बुलिंग और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग जैसे अपराध शामिल हैं। आए दिन समाचार पत्रों में ऐसे मामलों की खबरें पढ़ने को मिलती हैं, जिनमें लोग अपनी मेहनत की कमाई गँवा देते हैं। साइबर अपराध बढ़ने का सबसे बड़ा कारण लोगों में डिजिटल जागरूकता की कमी है। बहुत से लोग अनजान लिंक पर क्लिक कर देते हैं, अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे ओटीपी,

पासवर्ड और बैंक विवरण दूसरों के साथ साझा कर देते हैं। अपराधी इसी लापरवाही का फायदा उठाकर लोगों को ठग लेते हैं। इसके अलावा, इंटरनेट का बढ़ता उपयोग और सस्ती स्मार्टफोन सुविधाएँ भी साइबर अपराध को बढ़ावा दे रही हैं। छात्र, महिलाएँ और बुजुर्ग साइबर अपराधियों के आसान शिकार बनते जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों को भावनात्मक रूप से फँसाया जाता है। कई बार बच्चों को ऑनलाइन गेम या इनाम का लालच देकर ठगा जाता है। इससे न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि मानसिक तनाव और भय भी बढ़ता है। साइबर क्राइम को रोकने के लिए सरकार द्वारा साइबर कानून बनाए गए हैं और साइबर पुलिस थानों की स्थापना भी की गई है। लेकिन कानून के साथ-साथ जन जागरूकता सबसे जरूरी है। लोगों को सुरक्षित पासवर्ड का उपयोग करना चाहिए, अनजान कॉल या मैसेज पर भरोसा नहीं करना चाहिए और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करनी चाहिए। समाचार पत्र, विद्यालय, टीवी और सोशल मीडिया के माध्यम से साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी लोगों तक पहुँचाई जानी चाहिए। माता-पिता को बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें सही-गलत की जानकारी देनी चाहिए। अंत में यही कहा जा सकता है कि साइबर क्राइम एक गंभीर चुनौती है, लेकिन सही जानकारी, सतर्कता और जागरूकता से इससे बचा जा सकता है। यदि हम सभी मिलकर जिम्मेदारी से तकनीक का उपयोग करें, तो डिजिटल दुनिया को सुरक्षित बनाया जा सकता है अपराधों से कैसे बचा जाए सबसे पहले, किसी भी अनजान कॉल, मैसेज, ई-मेल या वीडियो पर तुरंत भरोसा न करें। चाहे आवाज कितनी ही असली क्यों न लगे, पैसे भेजने या जानकारी देने से पहले सत्यापन जरूर करें। बैंक, पुलिस या कोई सरकारी संस्था कभी भी फोन पर ओटीपी, पासवर्ड या एटीएम नंबर नहीं मांगती। दूसरा, सोशल मीडिया पर अपनी निजी जानकारी जैसे मोबाइल नंबर, पता, स्कूल या कार्यस्थल की जानकारी साझा करने से बचें। अक अपराधी इन्हीं जानकारियों का इस्तेमाल करके लोगों को फँसाते हैं। मजबूत पासवर्ड रखें और समय-समय पर उसे बदलते रहें।

तीसरा, किसी भी संदिग्ध लिंक, इनाम, लॉटरी या नौकरी के ऑफर पर क्लिक न करें। ऐसे लिंक अक्सर ठगी का जरिया होते हैं। मोबाइल और कंप्यूटर में सुरक्षा अपडेट और एंटी-वायरस का उपयोग करें। चौथा, बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से जागरूक करना बहुत आवश्यक है। माता-पिता और परिवार के सदस्य उन्हें समझाएँ कि ऑनलाइन दुनिया में सतर्क रहना कितना जरूरी है। यदि कोई साइबर अपराध होता है, तो डरें नहीं। तुरंत साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस स्टेशन में शिकायत करें। समय पर की गई शिकायत से नुकसान को रोका जा सकता है। अंत में यह कहा जा सकता है कि एआई एक शक्तिशाली तकनीक है, लेकिन सावधानी और जागरूकता के बिना यह खतरा बन सकती है। सही जानकारी और सतर्कता के साथ हम एआई से जुड़े साइबर अपराधों से खुद को और अपने समाज को सुरक्षित रख सकते हैं। प्रोफेसर आर बी सिंह

साइबर क्राइम एक्सपर्ट द्रोणाचार्या ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन्स ग्रेटर नोएडा, उ.प्र.।

मकर संक्रांति की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

(जीएनएस)।

लखनऊ। देवघर नगर निगम वार्ड नं 19 की भावी प्रत्याशी सोनी केसरी ने वार्ड की जनता एवं भारतीय वैश्य महासभा के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता को मकर संक्रांति के पावन पर्व पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ दी है। सोनी केसरी द्वारा वार्ड के समस्या व विकास को विशेष प्राथमिकता देते हुए उन्होंने कहा कि मकर संक्रांति का यह पर्व हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासतऔर लोक-परंपराओं से जुड़ाव का प्रतीक है तथा परिश्रम, संयम और प्रकृति के साथ संतुलन के महत्व को दशार्ता है। यह शुभ उत्सव हम सभी के जीवन में स्वास्थ्य, खुशहाली और निरंतर प्रगति लेकर आए ऐसी कामना करती हूँ।

मकर संक्रांति पर संगम में आस्था की महाडुबकी, लगभग 1.03 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया पवित्र स्नान

(जीएनएस)। माघ मेला 2026 के द्वितीय स्थान पर्व मकर संक्रांति के अवसर पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। धर्म, आस्था और परंपरा के इस महापर्व पर लगभग 1 करोड़ 3 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। कल एकादशी के अवसर पर लगभग 85 लाख लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई थी।

शास्त्रों में मकर संक्रांति स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में स्नान करने से समस्त पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। माघ मेला के दौरान मकर संक्रांति का स्नान विशेष फलदायी माना जाता है, इसी आस्था के कारण देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु प्रयागराज आते हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला क्षेत्र में व्यापक प्रशासनिक और पुलिस व्यवस्था की गई थी। सभी वरिष्ठ अधिकारी भ्रमणशील रहते हुए पूरे मेला क्षेत्र की सतत निगरानी करते रहे। इस दौरान अपर पुलिस महानिदेशक श्री ज्योति नारायण, पुलिस महानिरीक्षक श्री अजय मिश्र, मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल, पुलिस कमिश्नर प्रयागराज श्री जोगेन्द्र कुमार, अपर पुलिस आयुक्त श्री डॉ अजयपाल शर्मा, जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा, मेलाधिकारी श्री ऋषिराज तथा मेला पुलिस अधीक्षक श्री नीरज पांडेय द्वारा समय-समय पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, जिससे स्नान पर्व शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो सका।

श्रद्धालुओं की सुगम आवाजाही के लिए उपलब्ध कराई गई रैपिडो बाइक सेवा का भी व्यापक उपयोग हुआ। आज लगभग 11,500 से अधिक श्रद्धालुओं ने इस सेवा का लाभ लिया, जबकि अब तक कुल 1,38,500 से अधिक लोगों को रैपिडो बाइक सेवा के माध्यम से उनके गंतव्य तक सुरक्षित पहुंचने में मदद की जा चुकी है।

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर प्रशासन की ओर से सामाजिक समरसता और सेवा भाव का भी परिचय दिया गया। सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा श्रद्धालुओं को पारंपरिक खिचड़ी का प्रसाद वितरित किया गया, जिससे श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली।